इंडिया गठबंधन में राहुल का कद कम करने के प्रयास किसकी शह पर हो रहे हैं?

राजनैतिक हल्कों में चर्चा है कि भाजपा के दबाव में तृणमूल, सपा व शरद पवार ने इंडिया गठबंधन नेतृत्व का मुद्दा उठाया है

- सूत्रों का कहना है कि भाजपा नेतृत्व असल में राहुल गांधी और प्रियंका के नेतृत्व में कांग्रेस के उभरने की संभावना से आशंकित है, इसीलिए यह सारी बिसात बिछाई गई है।
- इसकी शुरूआत हुई है प. बंगाल से। ज्ञातव्य है कि इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर दावा करने से पहले ममता बनर्जी राजभवन जाकर राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मिली थीं।
- सूत्रों ने बताया कि गत कुछ समय से ममता बनर्जी व राज्यपाल के रिश्ते मधुर हो गए हैं। जबकि, कुछ दिन पहले तक दोनों एक दूसरे की भारी आलोचना करते रहते थे।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। ऐसी खबरें आ रही हैं कि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में राहुल की स्थिति कमजोर करने में मोदी-शाह का हाथ है, क्योंकि एक के बाद एक विपक्षी नेता विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व पर ममता बनर्जी के दावे का समर्थन कर रहे हैं।

और इस बात पर यकीन करने के कई कारण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी, जिन पर अभी राहुल गांधी और बहिन प्रियंका के नेतृत्व में उभरती हुई कांग्रेस का गंभीर खतरा है, को बचाने के लिए भाजपा व संघ ने यह साजिश रची है। उल्लेखनीय है कि प्रियंका गांधी ने वायनाड से अपने भाई से भी ज्यादा बड़े अंतर से चुनाव जीता था।

राहुल गांधी, जो देश के संविधान पर आर.एस.एस. के प्रहार के कट्टर विरोधी है, की छवि खराब करने की साजिश बहुत चतुराइ से रची गई है और इसकी क्रियान्विति की शुरुआत हुई पश्चिम बंगाल से, जहां तृणमूल नेता ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर दावा किया है।

दस दिसम्बर को लालू यादव भी इस जमात में शामिल हो गए कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करना चाहिए। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सबसे बड़े विपक्षी दल के रुप में उभरने के बाद नेतृत्व का मुद्दा हल हो गया था, पर अब उसे फिर से उभारा जा रहा है।

इन विपक्षी नेताओं ने जिस तरीके से बोलना शुरु किया है, उसमें एक बात सामान्य है और वह है पश्चिम बंगाल।

लालू यादव ने भी कहा है कि ममता बनर्जी को इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करना चाहिए। इससे एक दिन पहले शरद पवार ने भी कहा था कि ममता बनर्जी देश की एक सक्षम नेता हैं और उन्हें इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व का दावा करने का पूरा हक है। उनके पार्टी सांसद बेहद जागरुक हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी ममता बनर्जी का समर्थन किया। लालू यादव की टिप्पणी इसलिए अलग है, क्योंकि लालू के बयान से एक दिन पहले ही तेजस्वी यादव ने अलग बात कही थी कि एक साथ बैठकर नेतृत्व के चयन पर चर्चा करने की जरुरत है।

लालू यादव के बयान से एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने यू टर्न लिया और "बीती ताहि बिसार दे" की तर्ज पर प.बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस के निमंत्रण पर राजभवन गईं। सूत्रों ने कहा कि देश के सर्वोच्च नेतृत्व के एक संदेश ने ममता बनर्जी का रास्ता तैयार किया।

सामान्य हालात में, मुख्यमंत्री व राज्यपाल की मुलाकात में कोई बड़ी बात नहीं है, पर ममता की बात अलग है। अगस्त के बाद वो पहली बार राजभवन गई हैं। अगस्त में तो स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में उन्हें प्रोटोकॉल के कारण जाना पड़ा था। ममता बनर्जी जैसी तेज तर्रार नेता के लिए यह बात एकदम उलट है। ममता बनर्जी के उत्थान में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा की तरह ममता बनर्जी भी वामपंथियों, खासकर माकपा को अछूत मानती है। ममता बनर्जी ने 14 साल पहले पहली बार शपथ ली थी, बस तब से ही राजभवन के साथ उनके रिश्ते शत्रुतापूर्ण रहे हैं। जैसे-जैसे बंगाल की राजनीति पर उनकी पकड़ मजबूत होती गई, राजभवन से उनके रिश्ते और बिगड़ गए, खासकर 2021 के विधानसभा चुनावों में जीत के बाद।

इस वर्ष गर्मियों में तो राजभवन और सरकार के रिश्ते बहुत ही ज्यादा बिगड़ गए, जब राज्यपाल बोस पर राजभवन की एक पूर्व कर्मचारी के साथ यौन दुराचरण का आरोप लगाया गया। लोकसभा चुनावों में ममता बनर्जी ने राज्यपाल को हटाने की मांग की और कहा कि राज्यपाल के साथ बैठना तक पाप है। बोस ने तो हाल ही में सितम्बर में आर.जी. कार हॉस्पिटल के दुष्कर्म प्रकरण पर ममता बनर्जी के सोशल बॉयकाट की अपील कर दी।

जुलाई में तृणमूल के दो विधायक धरने पर बैठ गए थे कि उन्हें विधानसभा में शपथ दिलाई जाए राजभवन में नहीं। पर हाल ही में राज्यपाल ने 6 नए, विधायकों को राजभवन में शपथ दिलाई तो विरोध में एक आवाज नहीं निकली।

यही नहीं, राजभवन के ट्विटर हैंडल से अटपटी पोस्ट शेयर हुई कि "असली मित्रता फ्लोरोसैंट (प्रतिदीप्त) जैसी होती है। जब सब जगह अंधेरा होता है, तब वो चमकती है। भले ही हम अलग हों, पर हम वृक्ष की शाखाओं की तरह आपस में जुड़े हुए हैं।"

दोनों के बीच सम्बंध मधुर होने का संकेत यह भी है कि राज्यपाल ने राज्य के विभिन्न विश्व विद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। हालांकि कुछ उपकुलपतियों की नियुक्तियां अभी भी विचाराधीन हैं।

जहाँ राजभवन और ममता बनर्जी धीरे-धीरे एक-दूसरे के नजदीक आ रहे हैं, वहीं राष्ट्रीय विपक्षी गठबंधन "इंडिया" में दरारें चौड़ी होती जा रही हैं।

हरियाणा और महाराष्ट्र, जहां इस साल के शुरु में हुये लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आधार तैयार किया था, में एक के बाद एक हुये विधानसभा चुनावों में मिली हार ने इंडिया ब्लॉक की दरारों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

पिछले सप्ताह, एक बंगाली चैनल के साथ हुई बातचीत में, ममता ने कहा था कि अगर उन्हें अवसर दिया जाता है, तो वे विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने के लिये तैयार हैं।

उन्होंने कहा था, "मैंने इंडिया ब्लॉक गठित किया था, अब इसे व्यवस्थित रखना उन लोगों का काम है, जो इसके नेतृत्व के लिये आगे आये हैं। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूँ? मैं तो बस इतना कहना चाहूँगी कि हर व्यक्ति को साथ लेकर चलने की जरुरत है।" उन्होंने आगे कहा था, "अगर मुझे अवसर दिया जाता है, तो मैं इसे सहजता से चलाना सुनिश्चित करुँगी। मैं पश्चिम बंगाल से बाहर जाना नहीं चाहती, लेकिन मैं यहीं से गठबंधन को चला सकती हूँ।" लोकसभा चुनावों से पहले, ममता ने प्रश्न किया था कि क्या कांग्रेस पूरे देश में 50 सीटें भी ला सकती है। और पिछले 10 वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ कि कांग्रेस लोकसभा चुनावों में 100 से मात्र एक कम, अर्थात 99 सीटों के आँकड़े तक पहुँच गई।

जहाँ कांग्रेसी नेता भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि इस समय ममता बंगाल में उसी तरह अजेय हैं, जैसे एम.के. स्टालिन तमिलनाडु में। लेकिन वे यह भी कहते हैं कि इस दोनों नेताओं तथा इनकी पार्टियों में से किसी की भी, चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं निर्णायक उत्तरी भारत में, कोई मौजूदगी नहीं है।

कांग्रेस इस समय सोच-समझकर खामोशी धारण किये हुये है, क्योंकि राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं से कह रखा है कि वे "इंडिया ब्लॉक के पार्टनरों की किसी भी बात पर प्रतिक्रिया नहीं दें।"

क्या इंडिया ब्लॉक को एकजुट रख पाएगा ममता बनर्जी का नेतृत्व

गठबंधन के नेता एक के बाद एक ममता बनर्जी के नेतृत्व के दावे का समर्थन कर रहे हैं

- लालू यादव, शरद पवार और अखिलेश यादव के समर्थन से ममता बनर्जी प्रफुल्लित हैं और उन्होंने समर्थन देने के लिए इन नेताओं का आभार भी जताया।
- चर्चा है कि अगर ममता बनर्जी को नेतृत्व मिला तो गठबंधन को एकजुट रखना ममता बनर्जी की जिम्मेवारी होगी और अन्य क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस के प्रति संदेह खत्म हो जाएगा और कई अन्य दल इस गठबंधन का हिस्सा बनेंगे।

-श्री नन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। विपक्ष के कई दिग्गज नेताओं, जिनमें शरद पवार तथा लालू यादव भी शामिल हैं, द्वारा तृणमूल कांग्रेस के विचार का समर्थन किये जाने के साथ ही, इस पर गम्भीरता से बात करना शुरू हो गया है कि ममता बनर्जी को इंडिया गठबन्धन की नेता या संयोजक बनाया जाये।

स्वयं बनर्जी ने उनके प्रति सम्मान दिखाने के लिये सभी नेताओं को धन्यवाद दिया है तथा सभी पार्टियों और उनके नेताओं के लिये शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। ममता बनर्जी ने आज कहा, "जिन नेताओं ने मेरे प्रति सम्मान प्रदर्शित किया है, उनमें से प्रत्येक के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ। मेरी कामना है कि वे स्वस्थ रहें तथा उनकी पार्टियाँ अच्छा प्रदर्शन करें। मैं चाहती हूँ कि इंडिया गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करे। मैं हमारे जगन्नाथ मंदिर की ओर से आज सबके लिये मंगल कामना करती हूँ।"

इस समय, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्ष के इंडिया गठबंधन के चेयरमैन हैं, जो इस साल लोकसभा चुनावों से पहले बना था। इस समय इस नेतृत्व परिवर्तन को कई मायनों में फायदेमंद माना जा रहा है। पहला, अब इंडिया ब्लॉक को संचालित करने का भार बनर्जी तथा टी.एम.सी. पर होगा, कांग्रेस पर नहीं, जिस पर प्रायः बड़े भाई की तरह व्यवहार करने का आरोप लगता है। दूसरा, ऐसी सम्भावना है कि विपक्षी पार्टियों के मन में कांग्रेस के प्रति जो संदेह रहता है, वह समाप्त या बहुत कम हो जायेगा। तीसरा, गठबन्धन के पास सही मायने में एक अखिल भारतीय, और सक्रिय लोकतांत्रिक गठबन्धन के रूप में उभरने का अवसर होगा। इंडिया गठबन्धन के बनने का शुरूआती उत्साह तो थोड़ा बहुत तब ही कम हो गया था, जब नीतीश कुमार एन.डी.ए. में चले गये थे। इंडिया ब्लॉक सुगठित तथा सुव्यवस्थित गठबन्धन के रूप में काम नहीं कर सका, क्योंकि लम्बे समय तक इसका कोई संयोजक नहीं रहा था तथा गठबन्धन के नेताओं की मीटिंग भी कम हुईं तथा उनमें अन्तराल भी ज्यादा रहा। गठबन्धन को नेतृत्व देने वाली कांग्रेस ने अपना स्वयं का एजेंडा तथा वैश्विक दृष्टि पर जोर दिया तथा क्षेत्रीय दलों के सरोकारों को समायोजित करने में असफल रही। एक चीज, जो बनर्जी के पक्ष में प्रमुख रूप से जाती है, वह यह है कि भाजपा के खिलाफ टी.एम.सी. का चुनावी स्ट्राइक रेट कांग्रेस से बेहतर रहा है। एन.सी.पी. के संस्थापक शरद पवार ने हाल ही में यह स्वीकार किया तथा ममता बनर्जी को एक "ऐसा सक्षम नेता बताया, जिसे इंडिया ब्लाक के नेतृत्व का दावा प्रस्तुत करने का अधिकार है।" उन्होंने आगे कहा, "उन्होंने जो सांसद संसद में भेजे हैं, वे मेहनती तथा सजग हैं।"

'सभी एम.ओ.यू. की रिपोर्ट एक साल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए 1200 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति, पांच नवीन औद्योगिक क्षेत्रों को भूखंड आवंटन तथा रीको द्वारा आठ औद्योगिक क्षेत्र नियोजित किए गए हैं। शर्मा ने कहा कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर लाने के लिए हम अगले तीन साल में जी.आई. (ग्लोबल इंडैक्स) टैग की संख्या को दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जी.आई. टैग वाले उत्पाद गांव से ग्लोबल की तरफ बढ़ेंगे, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "विकास भी विरासत भी" विजन को साकार करेंगे।

शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग प्रदेश के औद्योगिक ढांचे की रीढ़ हैं। एम.एस.एम.ई. क्षेत्र राजस्थान की जी.एस.डी.पी. में करीब 25 प्रतिशत योगदान दे रहा है तथा इसके साथ ही निर्यात में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार "निर्यात वृद्धि, सर्व समृद्धि" में विश्वास करती है, जो निर्यातकों की समृद्धि और उनके सशक्तीकरण पर केन्द्रित है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान निर्यात संवर्धन नीति 2024 जारी की है। मुख्यमंत्री निर्यात वृद्धि अभियान में नए उद्यमियों को निर्यातक बनाने के लिए निर्यात प्रक्रिया एवं दस्तावेजीकरण के लिए वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने समिट के इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए सभी मंत्रियों, निवेशकों, उद्योगपतियों, अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि समिट में विशेषज्ञों द्वारा दिये गये नए आइडिया से राजस्थान के भविष्य को उज्ज्वल एवं मजबूत बनाने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान पहले केवल पर्यटन के लिए जाना जाता था, लेकिन अब इस समिट के सफल आयोजन से प्रदेश उद्योग क्षमताओं के लिए भी जाना जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न कंपनियों और उपक्रमों के एग्जीबिटर बूथ का जायजा लिया और "बिल्डिंग ए सिक्योर नेशन" बूथ पर आधुनिक हथियारों का निरीक्षण किया। उन्होंने हिंदुस्तान जिंक के बूथ पर 3डी आई.वी.आर. तकनीक के माध्यम से हिंदुस्तान जिंक की माइन्स का वर्चुअल टूर किया तथा इसके साथ ही, राज्य सरकार द्वारा लगाए गए "आई स्टार्ट राजस्थान" बूथ पर रोबॉटिक डॉग का रिमोट से संचालन भी किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर पश्चिम रेलवे के बूथ पर भारतीय रेलवे के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स के मॉडल्स का जायजा भी लिया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने सिंकटेक, धूत संगमरमर, हिंगोनिया पुनर्वास केन्द्र और एम्बेसी ऑफ डेनमार्क के एग्जीबिटर बूथ का भी निरीक्षण किया।

मौलाना मदनी ने जे.पी.सी. की बैठक में वक्फ बिल का विरोध किया

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर। वक्फ बिल में संशोधन को लेकर गठित जे.पी.सी. की आज हुई मीटिंग में दारुल उलूम देवबंद की तरफ से शामिल प्रतिनिधिमंडल ने वक्फ बिल को खारिज कर दिया। सूत्रों के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल की तरफ से मीटिंग में मौलाना अरशद मदनी ने करीब 2 घंटे तक अपनी बात रखी। मदनी ने कहा, अगर ये संसोधन आए तो मुसलमानों की इबादतगाहें महफूज़ नहीं रह पाएगी।

- उन्होंने कहा, यदि ये संशोधन आये तो मुसलमानों की इबादतगाहें महफूज़ नहीं रह पायेंगी।

मुल्क में इतनी पुरानी मस्जिदें और इबादतगाहें हैं, जिनका अब कई सौ बरस बाद यह बताना मुश्किल है कि इनके वाकिफ (वक्फ करने वाला) कौन है। इस संसोधन में कई बड़ी खामिया हैं, जिसको लाने के पीछे की नियत ठीक नहीं है।

ज्ञातव्य है कि वर्तमान में वक्फ संशोधन बिल जॉइंट पार्लियामैंट्री कमेटी के पास है। इस मामले में ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान केंद्र सरकार इस बिल को पास करा सकती है। हालांकि, अब तक ऐसा नहीं हो सका है। वहीं वक्फ बोर्ड के मामले पर देश के ईसाई सांसदों ने मुस्लिमों का समर्थन करने का फैसला किया है।

राहुल ने बिड़ला से सदन चलाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से पहले बिरला से उनके कक्ष में मिले। विपक्ष के नेता ने बिरला से मुलाकात के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों को यह जानकारी देते हुए बताया, मैंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ आज बैठक की और उनसे कहा है कि हाउस चलना चाहिए और हम चाहते हैं हाउस चले। हाउस चलाना हमारी नहीं उनकी जिम्मेदारी है। मैंने उनसे यह भी कहा कि हमारी पार्टी के सांसद चाहते हैं कि मेरे खिलाफ जो अपशब्द कहे गये हैं उनको हटाया जाना चाहिए। मेरे खिलाफ सदन में की गई अपमानजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से सरकार हटा दे।

- राहुल गाँधी ने लोकसभा स्पीकर से कहा कि उनके खिलाफ सदन में की गई अपमानजनक टिप्पणियों को कार्यवाही से हटा दिया जाना चाहिए।

ई.वी.एम. से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दबदबा रहा है। लेकिन भाजपा इस बार प्रमुख आप नेताओं, जिनमें केजरीवाल भी शामिल हैं, के भ्रष्टाचार का हवाला देते हुये, बेहतर परिणामों की आशा सँजोये हुये है। सर्वोच्च न्यायालय जाने के निर्णय की घोषणा बुधवार एन.सी.पी. (एस.पी.) के नेता प्रशान्त जगतप ने की। जगतप इस बार पुणे की हदायसर सीट से विधानसभा चुनाव हार गये थे।

अम्बेडकर की मूर्ति के पास संविधान की किताब फाड़ने से हिंसा भड़की

परभणी (महाराष्ट्र), 11 दिसंबर। महाराष्ट्र के परभणी जिले में बुधवार को उस समय हिंसा भड़क उठी जब एक अज्ञात व्यक्ति ने बाबासाहेब अंबेडकर की मूर्ति के पास संविधान की प्रतिकृति को क्षतिग्रस्त कर दिया।

भीड़ मूर्ति के पास जमा हो गई और पथराव किया। कुछ लोगों द्वारा आज परभणी बंद के आ ान को देखते हुए इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात की गई है। अंबेडकर की मूर्ति के सामने प्रतीकात्मक संविधान की किताब फाड़े जाने के खिलाफ लोग अभी भी वहां विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने नांदेड़ राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और वहां आगजनी करने के अलावा पथराव भी किया। पुलिस नियंत्रण कक्ष परभणी ने कहा, हिंसा में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। हिंसा के दौरान कई कारों और दुकानों में तोड़फोड़ की गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दंगा नियंत्रण पुलिस और एस.आर.पी.एफ. को तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि संविधान का अपमान करने वालों को फांसी दी जानी चाहिए।

पुलिस की ओर से स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए। पुलिस ने मामले के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री के काफिले से तेज रफ्तार टैक्सी टकराई, ए.एस.आई. की मौत

जगतपुरा अक्षरधाम चौराहे पर हुई टक्कर में सी.एम. काफिले की दो कार क्षतिग्रस्त

- मुख्यमंत्री भजन लाल लघु उद्योग भारती के सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केन्द्र के लोकापर्ण समारोह में भाग लेने जा रहे थे। हादसे में टैक्सी ड्राइवर व 4 पुलिसकर्मी घायल हुए।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 11 दिसम्बर। राजधानी जयपुर के जगतपुरा इलाके में तेज रफ्तार टैक्सी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में घुसकर दो गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रुप से घायल ए.एस.आई. सुरेन्द्र सिंह की देर शाम अस्पताल में मौत हो गई, जबकि 4 पुलिसकर्मी और टैक्सी ड्राइवर समेत, 6 लोगों का उपचार चल रहा है। बुधवार दोपहर को जगतपुरा इलाके में अक्षय पात्र चौराहे पर हुई इस घटना को मुख्यमंत्री की सुरक्षा में चूक से जोड़कर भी देखा जा रहा है। हादसे के बाद, मौके पर हड़कंप मच गया। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा स्वयं घायलों को लेकर महात्मा गांधी हॉस्पिटल पहुंचे, जहां से तीन लोगों को जीवन रेखा अस्पताल में रैफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, बुधवार दोपहर 3 बजे सी.एम. हाउस से मुख्यमंत्री का काफिला निकला था। भजनलाल शर्मा लघु उद्योग भारती द्वारा आयोजित सोहन सिंह स्मृति कौशल विकास केन्द्र के लोकार्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेने जा रहे थे। इसी दौरान जगतपुरा इलाके में अक्षयपात्र चौराहे पर मुख्यमंत्री के काफिले में चल रही दो गाड़ियों को गलत दिशा से आई टैक्सी कार ने तेज टक्कर मार दी। हादसे में ए.एस.आई. (सहायक उपनिरीक्षक) सुरेन्द्र सिंह गंभीर रुप से घायल हो गए। उनके सिर पर चोट आई थी, उन्हें जीवन रेखा में एडमिट कराया गया, जहां देर रात करीब 8 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अक्षय पात्र चौराहे पर ट्रैफिक रोका गया था, लेकिन गलत दिशा से आई तेज रफ्तार टैक्सी गाड़ी मुख्यमंत्री के काफिले की ओर बढ़ती दिखी, तो वहां तैनात ए.एस.आई. सुरेन्द्र सिंह ने टैक्सी को रोकने की कोशिश की। लेकिन, टैक्सी चालक ने सुरेन्द्र सिंह को टक्कर मार दी। इसके बाद टैक्सी सी.एम. के काफिले की गाड़ियों से टकरा गई। इससे एक गाड़ी डिवाइडर पर चढ़ गई और दूसरी गाड़ी पलट गई।

हादसे के बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपनी गाड़ी से उतरे और घायलों को अस्पताल लेकर पहुंचे। चार पुलिसकर्मियों, बलवान सिंह, देवेन्द्र सिंह, ए.सी.पी. अमीर हसन और राजेन्द्र का उपचार चल रहा है। टक्कर मारने वाली गाड़ी का ड्राइवर पवन और उसका साथी भी घायल हो गया। पवन का इलाज महात्मा गांधी हॉस्पिटल में चल रहा है। उसका साथी सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती है। टैक्सी ड्राइवर के पास संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) का आइडैंटिटी कार्ड भी मिला है। हादसे के बाद पुलिस ने कार मालिक को बुलाया, लेकिन कार मालिक का कहना है कि पवन आज छुट्टी पर था, पता नहीं कैसे गाड़ी लेकर पहुंच गया।

पूरे घटनाक्रम में मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

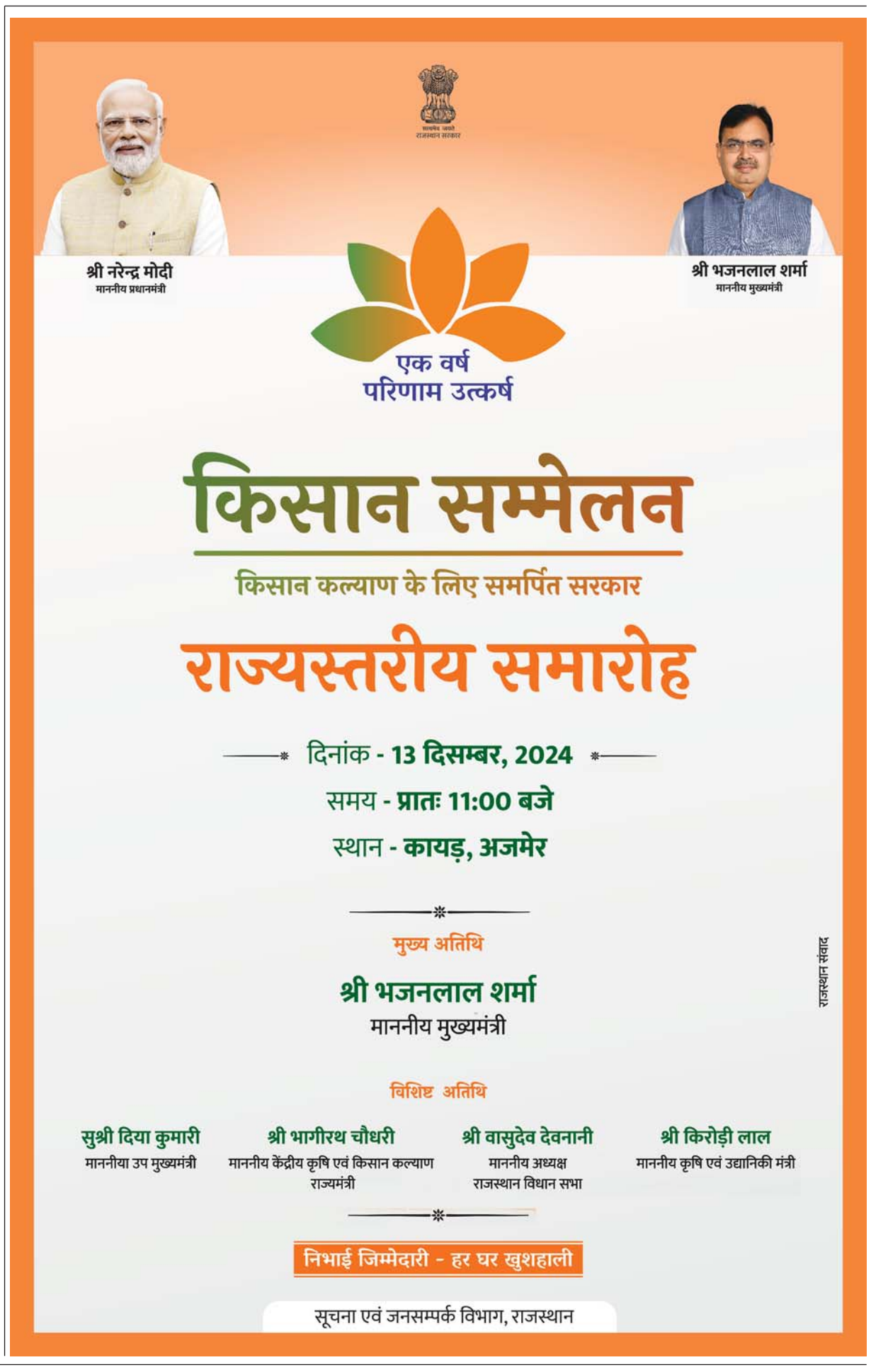

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908